सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना म0 प्र0

एल.आई.जी. 914, न्यू हॉउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना (मध्यप्रदेश) पिन–476001

Email- sujagriti99@gmail.com Website- www.sujagriti.org

Mobile No. 09826318465 / 09977843980

वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2021–22

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना (म.प्र.)

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना एक गैर लाभकारी संस्था है जो 22 वर्षो से सफलता पूर्वक पर्यावरण संरक्षण, बीहड़ में गुग्गल के संरक्षण एवं सम्बर्धन पर कार्य कर रही है वर्तमान परवेस में संस्था के कार्य अत्यन्त उपयोगी व प्रासंगिक है आज जहां मध्यप्रदेश में कई बहुमूल्य प्रजातियां विलुप्त हो चुकी है। और विलुप्त होने की कगार पर में ऐसी स्थिति में संस्था बीहड़ में जो बेकार भूमि पड़ी हुई उसे आजीवका का श्रोत बना रही है। साथ ही कार्य से पर्यावर्णीय लाभ तथा बीहड़ कटाव रूक रहा है इस वर्ष किये गये कार्य की एक झलक।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा इस वर्ष आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गयेऔषधिय उपज की मांग शुद्धता से बढ़ती है यह कहा कृष्ण गोपाल क्यू.सी.आई. दिल्ली से पधारे हुए वैज्ञानिक ने तथा गूगल का संरक्षण ही हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए विषय विशेषज्ञ डॉ. विनोद मिश्रा द्वारा बताया गया।

सुजागृति समाजसेवी संस्था मुरैना के द्वारा भारतीय गुणवत्ता परिषद नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजन , किया गया इसमें मुख्य रूप से गूगल गोंद की गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए और गूगल के पेड़ को विनाश से बचाने के लिए सही तरीके से चीरा कैसे लगाएं विषय पर प्रशिक्षण, धर्म इन होटल मुरैना में आयोजित किया गया किसान लघु वनोपज से कैसे ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त करें यह जानकारी भी दी गई संस्था अध्यक्ष सुजागृति समाज सेवी संस्था से जाकिर हुसैन द्वारा बताया गया कि हमारे चंबल अंचल में सबसे उच्च गुणवत्ता का गूगल पाया जाता है उसके लगाने के लिए वीहडौ में रेवेन्यू की किसानों की व विभाग की पर्याप्त भूमि है किंतु शासन और प्रशासन ठीक से ध्यान दे दे तो अरबों खरबों रुपए जो विदेश से गूगल हमें मगाना पड़ता है वह नहीं मंगाना पड़ेगा उसके लिए मॉडल के रूप में सुजागृति समाज सेवी संस्था द्वारा गूगल की नर्सरीया गूगल का प्लांटेशन गूगल से गौद कैसे निकाले यह सारी व्यवस्थाएं सिस्टम बनाया हुआ है उसे फॉलो करने की आवश्यकता है स्थानीय प्रजाति से गरीबों की आजीविका तो सुनिश्चित होगी ही साथी बेकार पड़ी हुई भूमि का उपयोग होगा पर्यावरणीय लाभ होगा इस पर विचार करने की आवश्यकता है इस अवसर पर कला मंडल द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया इस कार्यशाला में 65 हितग्राहियों ने भागीदारी की इस प्रशिक्षण में क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया से पधारे अरुण जी द्वारा बताया गया कि किसानों का एक फैडरेशन बनाया जाए जिससे गूगल का कल्टीवेशन का कार्य और विस्तृत रूप से यहां किया जा सकता है उसके लिए हम यहां प्रशिक्षण ट्रेनिंग बराबर करते रहेंगे ऐसा उनके द्वारा आश्वासन दिया गया।

क्रमशः........2

संस्था ने किया औषधि के प्रति ग्रामीणों को सक्रिय व बाजार व्यवस्था

मुरैना से गुग्गल और शतावर के संरक्षण में वर्षो से लगी मुरेना की सामाजिक संस्था सुजागृति अब जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के किसानो को औषधि की खेती करने और उनके बाजार व्यवस्था हेतु निरंतर कार्य कर रही हैं ऐसा ही एक गाँव जहाँ के किसान अहसान अली खान पुत्र श्री बफाती खान गांव जाबरौल से हैं यह गाँव चंबल के बीहड़ों में है तहसील सबलगढ़ से मुरैना से लगभग 90 किलोमीटर दूरी पर है शिक्षा 12वीं तथा प. ज. यप. ट्रेड फिटर किसान अहसान अली ग्राम जाबरौल के जनवरी 2005 से 2010 तक सरपंच भी रहे हैं तथा वर्तमान में जैव विविधता प्रबंधन समिति जाबरोल के अध्यक्ष हैं चूंकि पौधा के संरक्षण हेतु हमेशा से ही लगाव होने के कारण 2006 में ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण कार्य किया, इस कार्य मै सुजागृति समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने वृक्षारोपण का भ्रमण किया साथ ही उनके द्वारा गुगल के पौधे के संरक्षण तथा औषधियों की जानकारी दी गई उनके द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड न्यू दिल्ली के सहयोग से गूगल एवं जैव विविधता संरक्षण तथा आजीविका परियोजना के तहत औषधिय पौधा का संरक्षण और संवर्धन करना है

साथ ही साथ उनके लिए बाजार व्यवस्था भी हितग्राही किसानों को मुहैया हो, क्योंकि औषधि पौधा की खेती के बाद उन्हें क्रय कौन करेगा इसके लिए उन्होंने बताया कि सुजागृति संस्था का डाबर कंपनी गाजियाबाद के साथ एमओ यू है आप एक कलेक्शन सेंटर बनाइए उसके लिए हमारी संस्था हर संभव मदद करेगी और मेरी संस्था के सहयोग से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 2013 में गुगल के पौधों की नर्सरी तैयार की गई और निरंतर की जा रही है ...तथा उसी समय से लेकर आज दिनांक तक जाकिर हुसैन द्वारा मेरे गांव के मजदूरों, किसानों को गूगल गोंद निकालना, प्लांटेशन करना नर्सरी तैयार करने आदि तथा सतावर हेतु अनेको बार ट्रेनिंग दी गई! 2019 मैं कलेक्शन सेंटर खोला इससे मेरे गांव और आसपास के गांवों के समूह तथा कृषि मजदूरों को औषधी विक्रय करने हेतु आसानी हुई है और हितग्राही किसानों का जीवन स्तर में सुधार हुआ है गाँव की फर्म द्वारा 2021 में गिलोय पाउडर, अश्वगंधा पाउडर, आंवला पाउडर आदि कार्य करने के उद्देश्य से fssai पंजीयन संख्या 21421690000518 एवं iso certificate no 20EQBI19 है! साथ ही सन् 2020 में जाकिर हुसैन तथा rcfc- jabalpur द्वारा चंबल के बीहड़ों में अश्वगंधा की खेती करने हेतु कहा गया साथ ही मुझे अश्वगंधा का बीज भी दिया तब मेरे द्वारा पहली बार 2 बीघा भूमि में अश्वगंधा की खेती की गई जिसका बहुत ही अच्छा मुनाफा हुआ अश्वगंधा का बीज ही मेरे द्वारा 25000 में विक्रय किया गया है और हमारे

क्रमशः........3

चंबल संभाग में अश्वगंधा की खेती करना भी प्रारंभ हो गया है अश्वगंधा की जड़ अभी मेरे पास उपलब्ध है जिसका मेरे द्वारा पाउडर भी बनाया गया है इस कलेक्शन सेंटर के माध्यम से हमारे द्वारा किसानों का कच्चा माल उचित रेट पर लिया जाता है तथा कंपनियों को दिया जाता है जिससे पूरा का पूरा लाभ हितग्राही किसानों को प्राप्त हो रहा है जिससे उनकी माली हालत में सुधार आया है आज लोग अनिवार्य आवश्यकता की चीजों पर पैसा खर्च करने लगे हैं शिक्षा पर स्वास्थ्य पर , कलेक्शन सेंटर के माध्यम से 100000 पौधे गूगल के तथा 50 टन अग्निमथ, 1 टन गूगल गौद और कई अन्य औषधि का विक्रय किया जा चुका है जिससे किसानों का जीवन स्तर मैं सुधार हुआ है साथी साथ उनको विक्रय हेतु उचित स्थान प्राप्त हुआ है मेरे द्वारा कई बार ऑनलाइन आयुष मंत्रालय भारत सरकार के प्रशिक्षण कार्यो में भी भाग लिया है , हमारे द्वारा सुजागृति समाज सेवी संस्था के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय वन मेला भोपाल मैं ब ग्रीन हाट दिल्ली में भी प्रतिवर्ष दुकान लगाई जाती है मेरी फर्म हरियाली ट्रेडर्स को icariinrg ranchi तथा jnkvv जबलपुर द्वारा guggul गम तथा अन्य औषधियों की उचित क्वालिटी उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 02/11/2021 को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित भी किया गया है इसके लिए मैं अपनी तरफ से सुजागृति समाज सेवी संस्था तथा राष्ट्रीय पादप बोर्ड आयूष मंत्रालय भारत सरकार तथा तकनीकी सहयोग हेतु आर सी एफ सी जबलपुर एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर का धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ तथा आशा करता हूँ कि मुझे भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग एवं मार्गदर्शन देकर मेरे इस कार्य को अंतिम मुकाम तक ले जाने में मेरे साथ रहेंगे।

राष्ट्रीय कार्यशाला में सुजागृति संस्था का सम्मान

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद के विदोहन प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन परियोजना की 13 वीं वार्षिक कार्यशाला के दौरान श्री जाकिर हुसैन अध्यक्ष सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना एवं एहसान अली को उनके गूगल पौधे के संरक्षण एवं विस्तार तथा गूगल गौद की उद्यमिता हेतू किये गये अद्वितीय कार्य हेतु प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया सम्मान के इस अवसर पर भारतीय कृषि

अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. एस के पचौरी एवं सहायक निदेशक डॉ. के के सिंह उपस्थित रहे प्रशस्ति पत्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं जेएनकेवीवी जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में दिया गया संस्था द्वारा गूगल पर 15 वर्षो से लगातार कार्य किया जा रहा है जिसके अंतर्गत नर्सरीयां तथा बिनाश हीन बिदोहन, प्लांटेशन, संरक्षण और संवर्धन के साथ साथ ही डॉ. मोनी थॉमस प्रधान वैज्ञानिक जीएनकेबीवी जबलपुर के द्वारा मुरैना सुजागृति के फील्ड

क्रमशः........4

में ही गूगल के पेड़ों पर रिसर्च करते हुए गूगल यंत्र बनाया गया इसके द्वारा गूगल पेड से सही तरीके से गौद निकलेगा। जिसका इस वर्ष पेटेंट हुआ है यह भी मुरैना की बड़ी उपलब्धि है डॉ. थोमस द्वारा हमें तथा हितग्राही किसानों को तकनीकी जानकारी समय-समय पर प्रदान की जाती रही है जिसके कारण आज देश में मुरैना का नाम हुआ है यह राष्ट्रीय कार्यशाला वर्चुअल हुई थी जो रांची से ओन लाइन संचालित की गई।

नवरात्रि पर औषधिय वृक्ष दान महादान

नेशनल मेडीसन प्लॉट बोर्ड दिल्ली के सहयोग से सुजाग्रति संस्था द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र मुरैना, न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलौनी मुरैना, जिला पंचायत मुरैना और जावरौल में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष आपके द्वार के तहत सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर दिनांक 9-10-2021 को ग्राम जावरौल तहसील सबलगढ़ जिला मुरैना में गूगल और सतावर की पौधो का वितरण किया गया कार्यक्रम में 136 पौधे वितरित हुए साथ ही साथ ग्राम चौपाल पर उन मुखी करण कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक और चेतन्य किया गया ''पौध संरक्षण,मानव रक्षण'' इस उद्देश्य को लेकर लोगों ने पेड़ों का रखरखाव तथा संरक्षण और संवर्धन की शपथ ली जैव विविधता प्रबंधन समिति अध्यक्ष पूर्व सरपंच श्री अहसान ने पौधों की सुरक्षा और पानी देने की जिम्मेदारी ली इस कार्यक्रम में सदस्य ,जैव विविधता प्रबंधन समिति के लोग ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की ग्राम जाबरौल में बी एम सी के सहयोग से 20000 गूगल नर्सरी प्रतिवर्ष लगा कर प्रदेश स्तर पर एक अपनी अनोखी पहचान बनाई इस कार्यक्रम में सुजागृति समाज सेवी संस्था अध्यक्ष जाकिर हुसैन द्वारा लोगों को शपथ दिलाई नवरात्रि के शुभ अवसर पर, एक पौधा राष्ट्र के नाम लगाएं। हरियाली फैलाकर भारत माता को, प्रदूषण की जंजीरों से आजादी दिलाएं इस अवसर पर आरंडय, पर्वत, घाटी , बन, मैदान, बीहड़ , खेत , खलियान तथा अपने घर,ऑफिस या किसी सुरक्षित स्थान पर कम से कम एक पौधे का रोपण अवश्य करें और उस को बड़ा करने का संकल्प भी लें।

औषधिय पौधा वितरण

आज दिनांक 26-10-2021 को ग्राम पिपरई के शासकीय माध्यमिक विद्यालय मेंआयुष आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत पौधा वितरण एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना के द्वारा एनएमपीबी के सहयोग से किया गया इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक ग्रामीण जनो द्वारा भागीदारी की गई आज इस कार्यक्रम में पौधारोपण भी किया गया तथा पूर्व में लगाए गए पौधों की सफाई की गई इस अवसर पर संस्था द्वारा 100 पौधों का वितरण

क्रमशः........5

किया गया एवं बीहड़ क्षेत्र में गूगल शतावर का रोपण किया गया सुरक्षा की दृष्टि से पौधों की तार फेंसिंग की गई जो खराब थी उस फेंसिंग को ठीक किया गया पौधारोपण की सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्रामीणों ने व शिक्षकों ने ली इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन द्वारा लोगों को पेड़ों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व को समझाया गया। ग्रामीणों के रूप में श्री बेताल सिंह बभूति सिंह रामनारायण बहादुर सिंह द्वारका सिंह स्कूल के शिक्षक संगीता मैम जीनत आदि लोगों द्वारा भागीदारी की गई।जैव विविधता की संबद्धता से ही मन प्रफुल्लित आनंदित होता है किंतु आज की निजी स्वार्थ भरी जिंदगी के कारण जंगल सुकड़ते जा रहे हैं व नदी तालाब आरंड पर्वत घाटी वन मैदान संकुचित होते जा रहे हैं हमें ईमानदारी के साथ आने वाली पीढ़ी के लिए न्याय करने की आवश्यकता है और इसे कागजों से निकाल कर जमीन पर रचनात्मक रूप देने की आवश्यकता है तभी जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन होगा।

सुजागृति संस्था की अनोखी पहल वृक्षों का रक्षाबंधन

रक्षाबंधन बहन भाई के पवित्र स्नेह और सुरक्षा का त्योहार है इस अवसर पर सु जागृति समाज सेवी संस्था मुरैना द्वारा एक अनोखी पहल की गई संस्था द्वारा महिला पदाधिकारियों द्वारा ग्राम की महिलाएं एवं बालिकाओं को लेकर मुरैना की शान गूगल एवं अन्य औषधि पौधों को बीहड़ क्षेत्र में राखी बांधी गई अर्थात रक्षाबंधन राखी बांधकर पेड़ों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया विगत 15 वर्षो से गूगल संरक्षण में लगे समाजसेवी जाकिर हुसैन ने इस अवसर पर बताया की औषधि वृक्ष हमारे विरासत हैं हमारे जीवन की सुरक्षा के रक्षक हैं इस अवसर पर महिला कार्यकर्ता समीम खान ने औषधि वृक्षों के महत्त्व अपने विचार रखें वृक्षों का रक्षाबंधन कार्यक्रम पिपरई के बीहड़ों में संपन्न हुआ इस अवसर पर रामकली शांति बाई वेवी ,राजू, रज्जू, शबनम, काजल, मुस्कान, 15 महिलाओं व बालिकाओं ने भागीदारी की साथ में ग्रामीण राजा भी रहे।

सफलता की कहानी हितग्राही किसान की जवानी

गुगल,शताबर और औषधि पौध लगाकर कर बहुत खुश है बामसोली के किसान मुरैना से यह एक सफलता की कहानी है दूरस्थ ग्राम जिला मुरैना से 90 किलोमीटर दूर के धीरेन्द्र सिंह जादौन पुत्र स्व श्री रामपाल सिंह जादौन ग्राम बामसौली तहसील सबलगढ जिला मुरैना ,मध्यप्रदेश ने असिंचित् एवं वंजर भूमि में सोना उगाया कहावत को चरितार्थ किया हैं उनके बताये अनुसार कि मैं ऐसी खेती करू जिसमे पानी बहुत कम लगे ,बार बार की मेहनत भी कम लगे क्योंकि मेरे खेत के पास पानी की उपलब्धता बहुत ज्यादा नही है ,साथ ही मजदूर भी

क्रमशः........6

आसानी से नही मिलते ।लेकिन मन मे यह भी था कि खेती फायदे का सौदा भी बने। इसी बीच इस बारे में मेरी चर्चा सुजागृति समाज सेवी संस्था के श्री जाकिर हुसैन से हुई । उन्होंने मार्ग दर्शन दिया कि यदि आप थोड़ा धैर्य रखें और मेरी बात पर भरोसा रखें तो गुग्गल और सतावर का रोपड़ अपने खेत मे कर इस जमीन के भाग्य बदल सकते हैं । यह एक ऐसी प्रजाति है जिसे संरक्षण की जरूरत है। गुग्गल में 5,6 साल बाद गोंद आना शुरू होगा और उसकी कीमत इतनी होती है कि आपका 5 साल का इंतजार करना भी आपको फायदे का सौदा ही साबित होगा। साथ ही शतावर की फसल से 2 साल बाद ही आपको आमदनी शुरू हो जायेगी। इसके अतिरिक्त श्री जाकिर हुसैन ने बताया कि गुग्गल और शतावर के बीच मे जो जगह है उसमें अश्वगंधा भी लगा ले तो उस से 6 माह में ही आपकी आमदनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आपको बस थोड़ा धैर्य और थोड़ा विश्वास रखना होगा तथा अपने खेत की सुरक्षा के लिए फेंसिंग और निगरानी की व्यवस्था करना होगी ताकि गुग्गल,शतावर और अश्वगंधा को जंगली जानवरों के नुकसान से बचाया जा सके। श्री जाकिर हुसैन ने कहा हमारी संस्था राष्ट्रीय औषध पादप बोर्ड के सहयोग से गूगल और जैव विविधता संरक्षण आजीविका परियोजना के तहत आप के खेत में गूगल सताबर लगाने हेतु उन्होंने बताया कि ये सब पौधे हम उपलब्ध कराएंगे और इन से होने वाले उत्पादों के विक्रय में भी सहयोग करेंगे। ये विचार मुझको पसंद आया और उन्होंने अपने ग्राम बामसौली के बालाजी मंदिर के पास अपनी एक हेक्टेयर जमीन में गुग्गल लगाने का निर्णय जून 2021 में लिया। उसके बाद मई 2021 में शतावर और नवंबर 2021 में अश्वगंधा भी लगाई। इनके लगाने के बाद मात्र एक बार पानी दिया ,उसके बाद से ये सब पौधे आज निकल आये है तथा अच्छी स्थिति में है। इसे कम पानी वाले इलाके में आसपास के बहुत सारे किसान औषधीय खेती करने के लिए लालाइत है तथा संपर्क बनाए हुए हैं निश्चित रूप से इसका सकारात्मक परिणाम देख कर औषधीय पौधों की खेती करेंगे जिससे लुप्त होती हुई प्रजाति तो बचेगी ही साथ ही साथ कंपनियों की डिमांड भी पूरी होगी तथा किसानों की आय तीन से चार गुनी बढ़ जाएगी क्योंकि आज के समय में गूगल गौंद का भाव रू. 2000/– ,शतावर रू. 300/– किलो ,अश्वगंधा की जड़ रू. 500/– किलो चल रहा है 8,00000/– की आय होगी साथ ही साथ

क्रमशः........7

पर्यावरणीय लाभ होगा क्योंकि यह फसल में जैविक तरीके से पैदा की जा रही हैं जिससे खेत में कीटनाशक दवा व रासायनिक खाद डालने की जरूरत नहीं पड़ेगी जिससे जमीन भी अच्छी रहेगी मेरी सफलता मैं सुजागृति समाज सेवी संस्था मुरैना, राष्ट्रीय पादप बोर्ड ,आयूष मंत्रालय भारत सरकार तथा तकनीकी सहयोग के लिए आर सी एफ सी जबलपुर का महत्त्व पूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन रहा.

गुग्गल पौधा रोपण ग्राम बामसौली

गुग्गल में चीरा लगाना सिखाते हुए

मुरैना में कब्रिस्तान में पौधा रोपण

वी. एम. सी. के साथ बैठक ग्राम बामसौली

गुग्गल वृक्षारोपण: नेशनल मेडीसन प्लॉट बोर्ड दिल्ली के सहयोग से सुजाग्रति संस्था मुरैना द्वारा जैव विविधता गुग्गल संरक्षण आजीविका परियोजना के तहत चंबल के मुरैना जिले में गुग्गल के संरक्षण और खेती के लिए, सात गांवों में नामतः पिपरई, वामसौली, जावरौल, बागचीनी, देवरी और पहाड़ी में कुल 12 हेक्टेयर भूमि को कवर किया गया है। पहले ग्रामीण सीमित बाजार के अवसरों के कारण गुग्गल की खेती के लिए कम से कम रुचि रखते थे, हालांकि, गुग्गलगम की बढ़ती बाजार मांग ने किसानों को बड़े पैमाने पर खेती और संरक्षण के लिए प्रेरित किया है जिसके परिणाम स्वरूप क्षेत्र की मिट्टी के साथ-साथ जैव विविधता का संरक्षण भी हो रहा है।

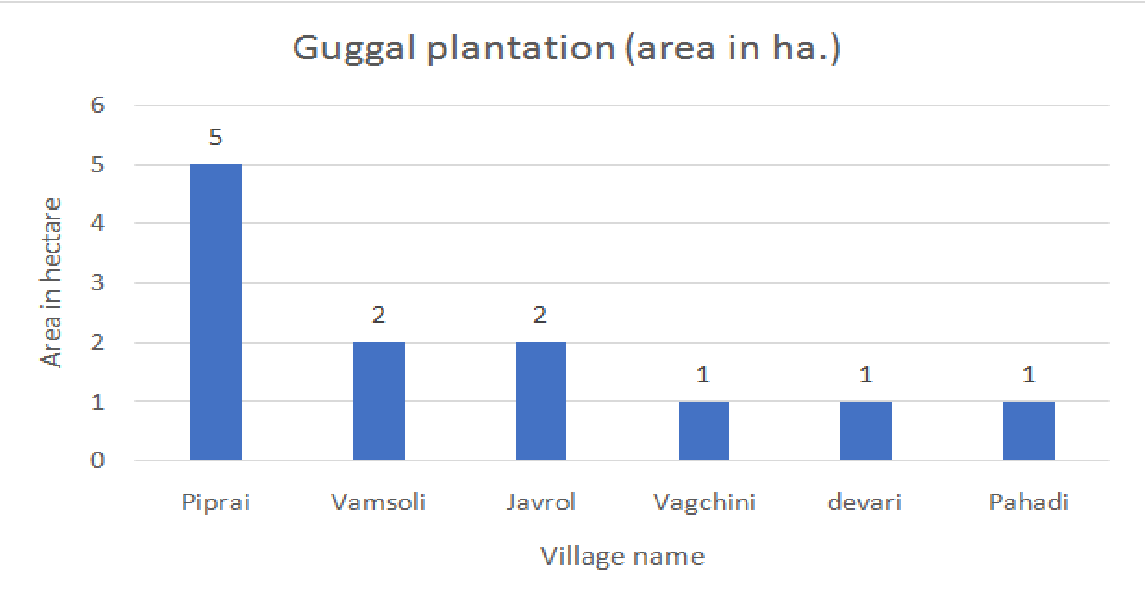

गुग्गल को ज्यादातर किसान पसंद करते रहे हैं और अब तक किसानों के खेत में 11000 पौधे लगाए जा चुके हैं। पौधरोपण के दौरान किसानों को उठे हुए खेत के मार्जिन के माध्यम से जल संचयन के लिए प्रशिक्षित किया गया है इसके अलावा, स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों की छोटी दौर बंदी और गड्ढों को जल संचयन और मिट्टी की नमी के संरक्षण के लिए मुरैना जिले की चरम पर्यावरणीय परिस्थितियॉं स्थापित की गयी है।

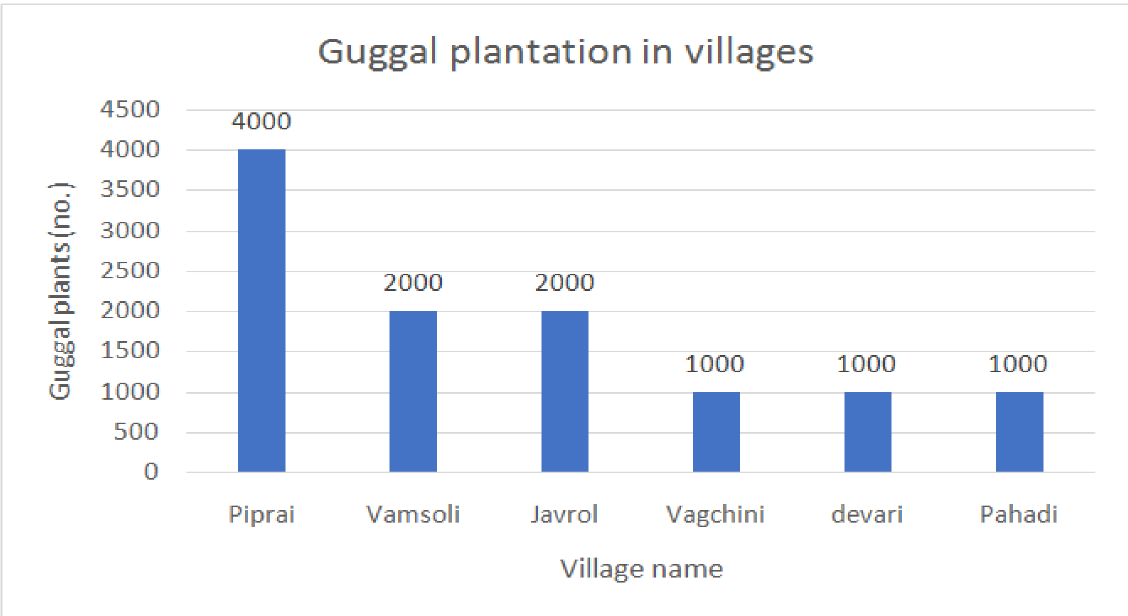

गुग्गल के मित्र पौधों का रोपण

करील वृक्षारोपणः करील को भी किसानों के बीच प्रचारित किया गया और छह गांवों में कुल 760 पौधे वितरित और लगाए गए। करील हितग्राही किसानों के बीच कम लोकप्रिय है क्योंकि इस क्षेत्र में गुग्गल और सतावर की बाजार में मांग अधिक है।

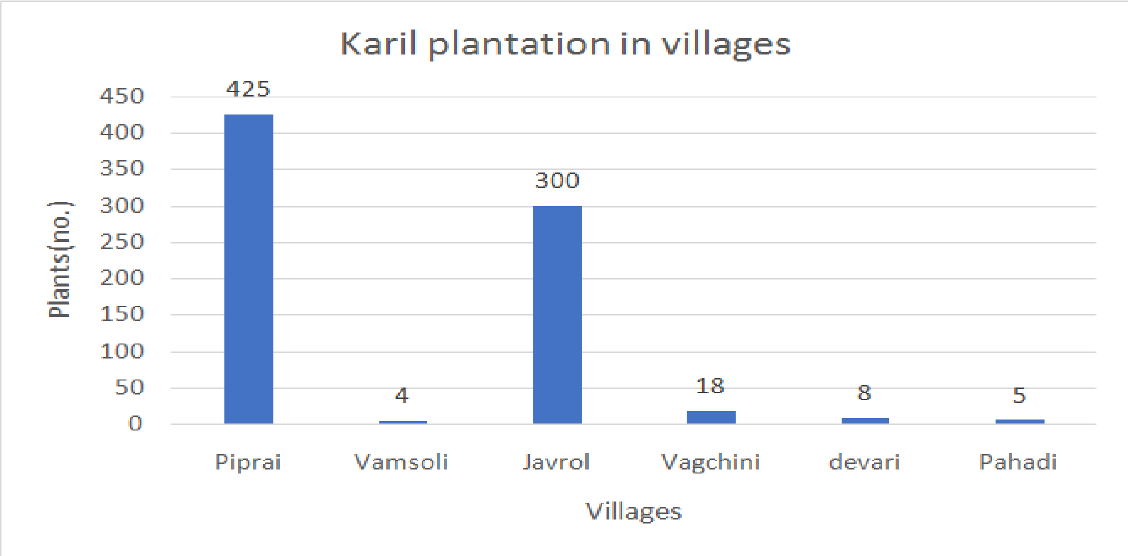

चमैनी वृक्षारोपणः क्षेत्र के अन्य लक्षित पौधों की तुलना में चमैनी में किसानों के बीच अनुकूलन क्षमता कम है हालांकि क्षेत्र के किसानों को बंजर भूमि की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिश्रित वृक्षारोपण मॉडल में चमैनी को रोपण और अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। मिश्रित वृक्षारोपण के लिए किसानों के बीच कुल 815 पौधे वितरित किए गए।

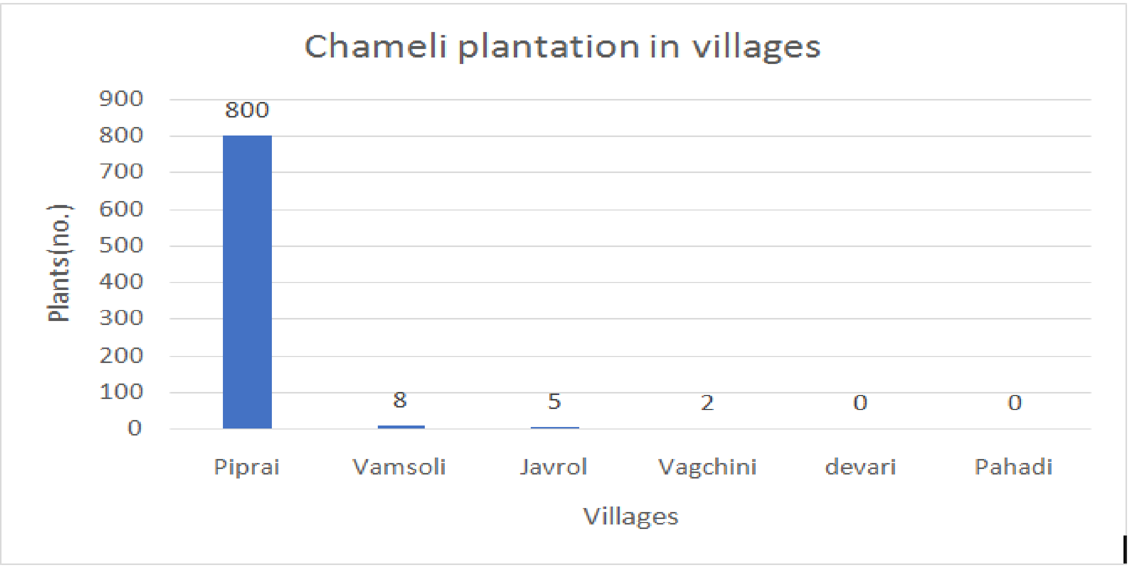

मुरैना जिले में कुल छह गांवों को मिश्रित वृक्षारोपण के लिए केंद्रित किया गया है और 12 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र में कुल 13693 पौधे लगाए गए हैं। गुग्गल की लोकप्रियता बाजार की उच्च मांग के कारण सबसे अधिक देखी गई है क्योंकि सतावर, करील और चमैनी की तुलना में गुग्गल गम 2000/- रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जा रहा है। पहले किसान मिश्रित वृक्षारोपण के लिए कम से कम रुचि रखते थे लेकिन अब मिश्रित वृक्षारोपण और उपलब्ध भूमि से अधिकतम लाभ के लिए जागरूकता कार्यक्रमों ने किसानों को पौधों की अंतर-फसल के लिए प्रेरित किया है।

क्रमशः........10

तालिकाः विभिन्न गांवों में लगाए गए पौधों की प्रजातियां

S. No.	Village name	Guggal	Satavar	Karil	Chameli	Total
1	Piprai	4000	500	425	800	5725
2	Vamsoli	2000	400	4	8	2412
3	Javrol	2000	112	300	5	2417
4	Vagchini	1000	20	18	2	1040
5	devari	1000	36	8	0	1044
6	Pahadi	1000	50	5	0	1055
	Total	**11000**	**1118**	**760**	**815**	**13693**

नर्सरी विकासः पौध विकास हेतु ग्राम क्षेत्र से बीज एकत्रित कर कुल 20 हजार गुग्गल की पौध रोपने, किसानों के बीच निःशुल्क वितरण हेतु उठायी गयी। चार प्रजाति के पौधों, कुल 29000 अंकुर उगाए गए और विवरण नीचे दिया गया हैः

S. No.	Plant name	Seedlings developed
1	Guggal	20000
2	Sataver	5000
3	Karil	2000
4	Chameli	2000
	Total	**29000**

गुग्गल नर्सरी तैयार करते हुए।

सतावर नर्सरी तैयार करते हुए।

मधुरई अभिराम पुरम जिले में सुजाग्रति संथा के सहयोग से तलवार कृषि फार्म में 100 एकड़ भूमि में 50 हजार गुग्गल, 2 लाख सतावर तथा 10 एकड़ भूमि में अश्वगंधा का रोपण किया गया। पौधो की व्यवस्था संस्था द्वारा मुरैना से की गई।

प्रकृति सरंक्षण हेतु वर्तमान का भविष्य से संवाद अनुभूति कैंप – ईको सेंटर देवरी

शहरी परिवेश की भागदौड़ और हलचल के बीच बसे प्राकृतिक पर्यावास एवम् हृदय प्रदेश के मुरैना जिले के स्कूली विद्यार्थियों को प्रकृति और वनों से रूबरू करवाने के साथ प्राकृतिक धरोहरों के महत्व को साझा करना जिससे बाल मन में उत्पन्न हो प्राकृति प्रेम ओर वन भ्रमण का अनुभव लेकर पर्यावरण के प्रति हो मन में जागृति यही तो है अनुभूमि केम्प बटेश्वरा मन्दिर, खौवाले हनुमानजी बामसौली, पाटई वाले हनुमान सबलगढ़, टिकटौली, चुचामन खौ में आयोजित किये गये।

दो दिनों तक वनों में घूमते पंछियों को निहारते शिकारगाह से बड़ी बड़ी इमारतों के छोटे रूप में देख प्रकृति की विराटता को अनुभव करते हुए नन्हे – नन्हे बच्चों ने अनुभूति कार्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में अपना योगदान दिया और मन में प्रकृति प्रेम की लौ जलाकर सबसे पहले घड़ियाल केंद्र के कछुए घड़ियाल मगरमच्छ सबका दर्शन बच्चों को कराया उसके विषय में जानकारी दी ज्योति दंडोतिया जी ने इसके बाद चंबल नदी के लिए प्रस्थान किया गया चंबल नदी के साथ-साथ बीहड़ के विषय में बताया गया तथा दिखाया गया इसके साथ ही जैव विविधता सरंक्षण के लिए संकल्पित हुए उम्मीद है ये नन्हे प्रकृति प्रेमी यहां से जो सकारात्मक अनुभव लेकर गए है उन्हे अपने आसपास के परिवेश में साझा करेंगे और प्रकृति एवम् वन्य जीवों के संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगें।

गुग्गल विस्तारः दतिया में सीतापुर पं. राजेश्वराचार्य महाराज की गौ-शाला में गुग्गल सतावर अश्वगंधा का रोपण किया गया तथा गोगौरिया कृषि फॉर्म दिनारा रोड पर गुग्गल का रोपण किया गया।

क्रमशः........12

ग्राम सीतापुर में पं.राजेश्वराचार्य महाराज की गौ-शाला में गुग्गल रोपण

गोगौरिया कृषि फॉर्म दिनारा रोड पर गुग्गल रोपण

गुग्गल संरक्षण एवं संबर्धन आन्दोलन के लिए सुजाग्रति संस्था को अनेकों संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया।

स्टेट जैवविविधता उद्यान पुरूस्कार बोर्ड द्वारा वर्ष 2012

वन सुरक्षा एवं वृक्ष रोपण हेतु वन मंत्री द्वारा पुरूस्कार 2013

संस्था अध्यक्ष को बसामन मामा एवार्ड देते हुए सी.एम. साहब वर्ष 2015

जैव विविधता बोर्ड द्वारा राज्यस्तरीय श्रेष्ठ-पुरूस्कार प्रधान वन संरक्षक से प्राप्त, पुरूस्कार वर्ष 2018

गुग्गल के साथ ही साथ सतावर, करील और यमैनी के पौधे भी नर्शरी में तैयार किये जा रहे है।

गुग्गल पौध 6 माह के

गुग्गल पौध 12 माह के

अध्यक्ष

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था मुरैना (म.प्र.)